चावल के लिए आकस्मिक कृषि परामर्श

(अक्टूबर, 2024 के अंतिम सप्ताह में ओडिशा के तटीय जिलों में आने वाले चक्रवात "दाना के पूर्वानुमान के मद्देनजर)

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, भुवनेश्वर की 21.10.2024 की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 23 अक्टूबर, 2024 के आसपास ओडिशा और पश्चिम बंगाल में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिसे "दाना" नाम दिया गया है। चक्रवात "दाना" के उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 24 अक्टूबर 2024 की शाम के आसपास पश्चिम बंगाल-ओडिशा के तटों तक पहुँचने की बहुत संभावना है। इसलिए, 24 अक्टूबर 2024 की शाम से ओडिशा के तटीय जिलों में अधिकांश स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा और कुछ स्थानों पर चक्रवाती तूफान आने की संभावना है, जिसकी तीव्रता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और बाद में स्थानिक विस्तार भी होगा।

- *काटे गए चावल को सुरक्षित स्थान पर उचित तरीके से बांधकर तिरपाल से ढक देना चाहिए, ताकि संभावित वर्षा से होने वाले नुकसान से बचा जा सके।*

- *खड़ी चावल की फसल में जल निकासी के लिए नालियों को खुला रखें, ताकि खड़े चावल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकल जाए और फसल गिरने से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।*
- *वर्षा बंद होने के बाद, ताजे कुटाए गए चावल को 1-2 दिनों तक धूप में सुखाएं ताकि नमी की मात्रा 14% तक कम हो जाए और काटे गए धान को 'सुपर ग्रेन बैग' में संग्रहित करें जो लंबे समय तक वस्तुओं की गुणवत्ता, बनावट, रंग, सुगंध और स्वाद को बनाए रखने में सहायक है।*
- *भंडारित अनाज में संक्रमण की स्थिति में, एल्युमिनियम फॉस्फाइड की गोलियां (घरों में इस्तेमाल न करें) का प्रयोग करके 3 गोलियां प्रति टन अनाज (कुल 9 ग्राम गोलियां) का इस्तेमाल करके हवाबंद कंटेनर में या अनाज के बैग को मोटे तिरपाल से ढककर धुंआ करें। गोलियों को ढेर में रखने से पहले उन्हें रूई के पाउच में लपेटना चाहिए, जिससे धुंआ निकालने के बाद बचे हुए अवशेषों को हटाने में मदद मिलती है। गैस के रिसाव को रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को मिट्टी या चिपकने वाले टेप की 6 इंच मोटी परत से प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए कम से कम 7-10 दिनों तक धुंआ रहने दें।*

- *चक्रवात के समाप्त होने के बाद देर से बोए गए धान में झुंड वाली इल्ली और भूरा पोध माहू के (बीपीएच) के प्रकोप की संभावना हो सकती है। बीपीएच के प्रबंधन के लिए पाइमेट्रोज़ीन 50डब्ल्यूजी 0.6 ग्राम/लीटर पानी की दर से या ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम 10 एस सी 0.5 मिली/लीटर पानी की दर से या फ्लुनिसियामाइड 50 डब्ल्यूजी 3 ग्राम/10 लीटर पानीकी दर से प्रयोग करें। झुंड वाली इल्ली को नियंत्रित करने के लिए क्लोरपाइरीफॉस 1.5% डी 30 किग्रा/हेक्टेयर की दर से डालें।*
- *जिन खेतों में फसलें खड़ी हैं और कटाई के लिए तैयार नहीं हैं, वहां से अतिरिक्त पानी को तुरंत निकाला जा सकता है।*
- *बीमारियों और कीटों के संक्रमण को जानने के लिए नियमित रूप से खेत का दौरा करें। तदनुसार, तुरंत आवश्यकता के अनुसार कीट प्रबंधन उपाय करें।*